दिनांक- 5-अप्रैल-2023

प्रेस विज्ञप्ति

रेलटेल को पूरे भारत में इमिग्रेशन केंद्रों पर लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी प्रदान करने का आदेश प्राप्त हुआ।

एनआईसी के तहत भारत सरकार के उद्यम, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सेवा इनकॉर्पोरेटेड (एनआईसीएसआई) से प्राप्त इस ऑर्डर का मूल्य रुपये 38.95 करोड़ (कर सहित) है।

यह इमिग्रेशन, वीजा, विदेशी पंजीकरण और ट्रैकिंग (आईवीएफआरटी) परियोजना के तहत इमिग्रेशन की निर्बाध सेवाओं की सुविधा प्रदान करेगा।

हमें इस परियोजना के कार्यान्वयन में भागीदार बनकर खुशी हो रही है जो राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई मिशन मोड परियोजनाओं में से एक है: श्री संजय कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ।

****

रेल मंत्रालय के तहत मिनी रत्न पीएसयू, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को इमिग्रेशन, वीजा, विदेशी पंजीकरण और ट्रैकिंग (आईवीएफआरटी) परियोजना के तहत निर्बाध इमिग्रेशन सेवाओं के लिए एनआईसी केंद्रों से पूरे भारत में 19 इमीग्रेशन केंद्रों पर 4 एमबीपीएस की पॉइंट टू पॉइंट लीज लाइन कनेक्टिविटी के लिए वर्क ऑर्डर मिला है। यह आदेश एनआईसी के तहत भारत सरकार के उद्यम नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर सर्विसेज इनकॉर्पोरेटड (एनआईसीएसआई-NICSI) से प्राप्त हुआ है। एक वर्ष के लिए इस वर्क ऑर्डर का मूल्य अनुमानित रुपये 38.95 करोड़ (कर सहित) है। सभी लिंक कनेक्टिविटी को एक वर्ष की समय-सीमा में स्थापित किया जाना है। काम के दायरे में कनेक्टिविटी की स्थापना, परीक्षण और कमीशन शामिल है।

यह वर्तमान आदेश लीज लाइन कनेक्टिविटी के लिए एनआईसीएसआई द्वारा जारी पिछले कार्य आदेश के अतिरिक्त है। रेलटेल पहले से ही 47 इमिग्रेशन/फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) केंद्रों पर लीज लाइन कनेक्टिविटी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

आईवीएफआरटी परियोजना का उद्देश्य इमिग्रेशन सेवाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य एक सुरक्षित और एकीकृत सेवा वितरण ढांचे को विकसित और कार्यान्वित करना है जो सुरक्षा को मजबूत करते हुए वैध यात्रियों को सुविधा प्रदान करता है।

ये इमिग्रेशन केंद्र हवाई अड्डों, भूमि जांच चौकी, समुद्री बंदरगाह पर स्थित हैं और इन स्थानों पर कनेक्टिविटी ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क पर प्रदान की जानी है।

इसके बारे में बात करते हुए, श्री संजय कुमार, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा उन्होंने कहा, 'मौजूदा ऑर्डर रेलटेल की मुख्य क्षमता के अनुरूप है। इस परियोजना के साथ, कोई भी भारत की यात्रा पर आने पर निर्बाध, प्रभावी और कुशल ऑनलाइन इमिग्रेशन सेवाओं का आनंद ले सकता है। हम इस परियोजना के कार्यान्वयन में भागीदार बनकर खुश हैं जो राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई मिशन मोड परियोजनाओं में से एक है। हम अपने ग्राहकों को गुणवत्ता और संतोषजनक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए इसी तरह की और परियोजनाओं को प्राप्त करने का कार्य जारी रखेंगे।

रेलटेल के बारे में:

रेलटेल, रेल मंत्रालय के तहत एक "मिनी रत्न (श्रेणी-I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम, देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार बुनियादी ढांचे और आईसीटी समाधान और सेवा प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास कई शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 61000+ आरकेएम के एक मजबूत विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना मंत्रालय (MeitY) पैनल वाले टियर III डेटा केंद्र भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न क्षेत्रों में पर समाज को ज्ञनार्जित बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और रेलटेल को दूरसंचार क्षेत्र में भारत सरकार के लिए विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए कार्य कर रहा है। रेलटेल एमपीएलएस वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक साथ प्रदान करता है। रेलटेल देश भर के रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई प्रदान करके रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने के लिए भारतीय रेलवे के साथ काम कर रहा है और रेलटेल के रेलवायर वाई-फाई के साथ 6108+ स्टेशन लाइव हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें:

sucharita@railtelindia.com